लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जमीन खरीदने की शुरुआत

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बनने वाले 74.3 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने भूमि खरीद के छह गांवों के किसानों की सूची का प्रकाशन किया। किसानों से 3808 रुपये प्रति वर्गमीटर (एक्सग्रेसिया सहित) और सात प्रतिशत आबादी भूखंड अथवा 4300 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर पर भूमि खरीद होगी।

एसीईओ ने बताया कि उत्तरप्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) गंगा को यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगा। लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र से शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा। इस लिंक एक्सप्रेसवे का करीब 20 किलोमीटर का हिस्सा यीडा क्षेत्र में है। इसमें से नौ किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड होगा। इसके लिए 16 गांवों की लगभग 740 एकड़ भूमि खरीदी जानी है। यीडा ने भूमि खरीद की प्रक्रिया को शुरू करते हुए कलूपुरा के 54 खसरा, अमानुल्लापुर उर्फ मारहरा के 30 खसरा, भुन्नातगा के 14 खसरा, रबूपुरा के 15 और म्याना के दो खसरा और कपना के 74 खसरा नंबर की भूमि के लिए किसानों की सूची का प्रकाशन किया है। इनमें 15 दिनों में आपत्ति मांगी गई है। यीडा ने एक माह में लिंक एक्सप्रेसवे के लिए पूरी भूमि खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया है, इसके लिए गांव गांव शिविर लगाए जाएंगे।

नोएडा-ग्रेनो और यमुना एक्सप्रेसवे की तर्ज पर बनेगा : लिंक एक्सप्रेसवे से यमुना सिटी के दस से ज्यादा आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों को जोड़ा जाएगा। खास बात यह है कि प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर इकाई, जापानी, कोरियन, फिनटेक और फिल्म सिटी इसी एक्सप्रेसवे के किनारे पर विकसित होगी।

1204 करोड़ मिल चुके

लिंक एक्सप्रेसवे के लिए निर्माण के लिए 740 एकड़ भूमि खरीदी जानी है। इसके लिए विगत माह उत्तर प्रदेश सरकार से 1204 करोड़ रुपये को मंजूरी मिल चुकी है। ऐसे में भूमि खरीद का काम भी शुरू कर दिया गया है। यीडा क्षेत्र में 16 गांव के किसानों से जमीन खरीदी जाएगी। विज्ञापन के जरिए किसानों की सूची का प्रकाशन कर आपत्तियां मांगी जा रही है। एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य यूपीडा ही करेगा।

> लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एक महीने के भीतर पूरी भूमि खरीदने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इसी वर्ष में ही लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके।
> **-राजेश कुमार,** एसीईओ यीडा